भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 945
दिनांक 27 जुलाई, 2026

वाहनों की ई20 पेट्रोल के उपयोग हेतु अनुकूलता और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा

945 # श्री नीरज डांगी:

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास यह आकलन है कि वर्तमान में देश में कितने प्रतिशत वाहन ई20 ईंधन के उपयोग के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं;

(ख) क्या जिन वाहनों को ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है, उनके इंजन या माइलेज पर संभावित प्रभाव के संबंध में सरकार ने कोई अध्ययन कराया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी निष्कर्ष क्या हैं; और

(ग) यदि किसी उपभोक्ता के वाहन में ई20 पेट्रोल के उपयोग से तकनीकी समस्या आती है, तो इसके लिए वाहन निर्माता, तेल विपणन कंपनी या सरकार में से कौन जिम्मेदार होगा?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क): भारी उद्योग मंत्रालय (एम एच आई) ने बताया है कि उनके द्वारा ऐसा कोई आकलन नहीं किया गया है।

(ख) और (ग): इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और विचार-विमर्श संबंधित प्रक्रिया के माध्यम से लागू किया गया है जिसमें नीति आयोग, ऑटोमोबाइल निर्माता, तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसीज), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ पेट्रोलियम (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थान शामिल हैं।

इथेनॉल कोई नया ईंधन नहीं है। दुनिया भर में इसका उपयोग एक सदी से भी ज़्यादा समय से किया जा रहा है जिसमे ब्राज़ील जैसे देश दशकों से उच्चतर इथेनॉल मिश्रण पर प्रचालित हैं। भारत में, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2001 में प्रायोगिक कार्यक्रम के रूप में हुई थी, वर्ष 2006 में ई5 पेश किया गया था और हालाँकि वर्ष 2013-14 में मिश्रण लगभग 1.53% ही था, लेकिन आवश्यक उत्पादन क्षमता, अवसंरचना और विनियामक ढांचे का सृजन करने के बाद इसे धीरे-धीरे तथा सही तरह से बढ़ाया गया है।

एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और क्षेत्र परिक्षणों से यह पुष्टि हुई है कि ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है जिसमे इंजन के टिकाऊपन, चालन क्षमता, स्टार्ट करने की क्षमता, घिसाव रोधी क्षमता, तार्किक धातु की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे पहलुओं की जाँच की गई।

ई20 के वैज्ञानिक मूल्यांकन और चरणबद्ध कार्यान्वयन के हर चरण में ऑटोमोबाइल निर्माता, घटक आपूर्तिकर्ता, एसआईएएम, एआईएआई, परीक्षण एजेंसियां और तेल विपणन कंपनियां शामिल थीं। ई20 को फ़्यूल सिस्टम, इंजन टिकाऊपन, चालन क्षमता, तार्किक धातु की अनुकूलता और उत्सर्जन प्रदर्शन की सफल जाँच के बाद ही रोल आउट किया गया था। इन अध्ययनों से यह भी पता चला कि ई20 के इस्तेमाल से पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई खास बदलाव नहीं होता और न ही उनपर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ई15+ मिश्रित पेट्रोल का उपयोग साढ़े तीन साल से भी अधिक समय से और ई19-ई20 ईंधन का उपयोग ढाई साल से भी अधिक समय से व्यापक रूप में किया जा रहा है। 20 करोड़ से भी ज्यादा दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से भी अधिक पेट्रोल कारें इन इथेनॉल मिश्रण पर चल रही हैं, जिनमें मिश्रण के कारण हुई व्यापक इंजन विफलता अथवा वाहन ब्रेकडाउन की किसी भी सत्यापित प्रमाण से पुष्टि नहीं हुई है। निर्माता सेवा डेटा पुष्ट करता है कि ई20 ईंधन के कारण वाहन उपयोग काल में कोई भी प्रतिकूल संक्षारण, घिसाव या कमी नहीं देखी गई है। निर्माता, ई20 ईंधन उपयोग करने वाले वाहनों के लिए वारंटी दायित्वों को मान्यता दे रहे हैं, जो इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता को और अधिक विश्वसनीय बनाता है।

माइलेज के संबंध में, सरकारी एजेंसियों और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ईंधन दक्षता ड्राइविंग स्थितियों, ड्राइविंग संबंधी आदतों और वाहन रखरखाव सहित कई कारकों से प्रभावित होती है। कुछ ई10-डिज़ाइन किए गए वाहनों में, ईंधन अर्थव्यवस्था में हुई किसी भी कमी को आम तौर पर लगभग 3-5% तक पाया गया है, वहीं, ई20 उच्च-ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक विशेषताओं, स्वच्छ कंबशन और सुचारू इंजन प्रदर्शन प्रदान करता है।

ई10 ईंधन की तुलना में ई20 ईंधन, बेहतर त्वरण, बेहतर सवारी गुणवत्ता और लगभग 30% कम कार्बन उत्सर्जन प्रदान करता है। उच्च एथेनॉल मिश्रण स्वच्छ और अधिक पूर्ण दहन को भी सक्षम बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप कण पदार्थ उत्सर्जन लगभग शून्य हो जाता है और शहरी वायु गुणवत्ता में सुधार होता है।

एक अग्रणी ओईएम ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ वाहनों की सर्विसिंग की, जिसमें लगभग 1.5 करोड़ वाहन जो मूल रूप से ई20-संगत रूप में प्रमाणित नहीं थे शामिल हैं और किसी भी ई20-लिंक्ड संक्षारण, प्रतिकूल घिसाव या कॉमपोनेन्ट के उपयोग काल में कमी की सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। एक अग्रणी 2-पहिया कंपनी ने इसी तरह के क्षेत्र अनुभव की सूचना दी है। हाल ही में एक ओईएम ने बताया कि विस्तारित अवधि में भी ट्रैक करने पर 1.4 करोड़ ई20-प्रचालित वाहनों के डेटा ने इथेनॉल-प्रेरित संक्षारण का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। एआरएआई ने पुन: पुष्टि की है कि ग्राहकों तक वाहन पहुँचने से पहले इसे कठिन अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों से गुजरना पड़ता है।

*****